ISSN No-2231-5063 Vol.1,Issue.XI/May 2012pp.1-4

Research Paper

पांगी घाटी में साक्षर भारत मिशन की गतिविधियां

सन्नी षर्मा
सहायक प्राध्यापक भुगोल
राजकीय महाविद्यालय पांगी
जिला चम्बा हि0प्र0 176323

प्रस्तावना :

पांगी घाटी हिमाचल प्रदेश राज्य के अर्न्तगत आने वाले जिला चम्बा का उपमण्डलीय तथा दूरदराजीय जनजातीय क्षेत्र है। लेकिन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण चम्बा जिला देश के उन 365 जिलों में से एक है। जिसमें महिला साक्षरता दर 50 प्रतिशत से कम है। यहां शिक्षा का विस्तार अपेक्षाकृत कम हुआ है। आमतौर पर लड़कियां और महिलाएं कई कारणों से वंचित रह गई। असाक्षरों में वे लोग भी शामिल है जिन्हे अपनी अजीविका के लिए एक जगह से दूसरी जगह के लिए चलते फिरते रहना पड़ता है। इनमें घुमन्तु गुज्जर और गददी शामिल है। साक्षरता और शिक्षा का अभाव का ही एक कारण है कि प्राकृतिक सौन्दर्य, संसाघनों और समृदशाली सांस्कृतिक धरोहर के स्वामी चम्बा जिला की जनता पिछड़ी, गरीब और निरक्षर रह गई और आज भी जिला की गिनती देश के 50 सबसे पिछड़े जिलों में की जाती है।

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन ने महिला साक्षरता दर में कमी वाले जिलों में साक्षर भारत मिशन 2012 कार्यक्रम जरिए लोगों को साक्षर होने का एक सुनहरा मौका दिया है। चम्बा जिला को भी यह मौका मिला है।

साक्षर भारत मिशन कार्यक्रम को 23 अगस्त 2010 को 3:00 बजे बचत भवन चम्बा में श्री दिवेश कुमार डिप्टी कमीशनर चम्बा द्वारा प्रस्तुत किया गया जो कि इसके चेयरमैन भी है। चम्बा जिला में साक्षर भारत मिशन को शुरु करने की अनुमति National Literacy Mission द्वारा प्रदान की गई। चम्बा जिला राज्य का एक मात्र जिला है जिसमे यह कार्यक्रम शुरु किया गया है। यह कार्यक्रम 8 सितम्बर 2010 को अर्न्तराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर शुरु किया गया।

यह भारत सरकार द्वारा शुरु किया गया एक Flagship Programe है। इसमें मुख्यतः स्त्रियों की शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। 2001 Census के data के अनुसार वे जिले जिनमे महिला साक्षरता दर 50 प्रतिशत से कम है उस जिले को इसमें शामिल किया जाता है। इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य Adult Education को बढावा देना है विशेष तौर पर महिलाओं की शिक्षा को जो कि किन्ही कारणों से साक्षर नहीं हो पाई तथा उन्हे अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। पांगी घाटी जिला चम्बा का सबसे पिछड़ा उपमण्डलीय क्षेत्र है। जिला चम्बा के उतर की और बर्फ से ढकी उंची पर्वत श्रृंखलाओं से घिरि इसके दक्षिण में पांगी धार है जो दक्षिण पूर्व से उतर पश्चिम की ओर कश्मीर की पीरपंजाल पर्वत श्रृखला से जुड़ी हुई है। समुद्र तल से उंचाई 18000 फुट से 19000 फुट तक इसमें कई दर्रे 14382 फुट से 16536 फुट की उंचाई लिए हुए हैं। पांगी के उतर में जस्कर धार शिखर 21000 फुट को लांघ कर जम्मू कश्मीर की लदाख शीत मरुभूमि में पंहुच सकते है। मध्य हिमालय के पर्वतीय भू–भाग पांगी के पूर्व में जिला लाहौल तथा पश्चिम में किश्तवाड़ क्षेत्र पड़ता है। पांगी घाटी की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए यहां पर साक्षरता की कमी को दूर करना एक मुख्य चुनौती थी। अतः यहां पर साक्षर भारत मिशन के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। साक्षर भारत मिशन को सुचारु रुप से चलाने के लिए कई महत्वपूर्ण समितियां बनाई गई है। जिनका वर्णन इस प्रकार है।

1. Zilla Saaksharta Samiti, Chamba
   i. Chairman:- Deputy Commissioner Chamba
   ii. Vice Chairman :- ADM Chamba
   iii. Member :- जिला के मुख्य सरकारी अधिकारी इसके सदस्य है।

2. Block Saaksharta Samities
   i. Chairman:- BDO
   ii. Member :- ठसवबा के मुख्य सरकारी अधिकारी इसके सदस्य है।

3. Panchyat Saaksharta Samities
   i. Chairman:- Pradhan, GP
   ii. Vice Chairman :- Upp-Pradhan, GP

पांगी घाटी की 16 ग्राम पंचायतों में 32 प्रेरकों की नियुक्ति की गई है। साक्षर भारत मिशन 2012 के अर्न्तगत जिनको कि प्रत्येक माह 2000 रुपये प्रति महिने बेतन दिया जाता है जिनमे 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित है। प्रेरकों के लिए निम्नलिखित योग्यताएं होनी चाहिए:–

a. PRAREKS at GP level

Essential :-
- Minimum 10th Class Pass
- Resident of the same village

Desirable:-
- Experience in Adult Education
- Literacy/Community development

Preferences:-
- Person from deprived classes of society

Knowledge of computer
Knowledge of cycling driving.

b. District/Block Level coordinator

Essential:-

Graduate
Computer Literate

Desirable:-

Experience in adult Education
Literacy/community development/social work

Preferences:-

Ex-serviceman & retired official with requisite qualification
Having own mode of conveyance.
Person from deprived class of society.

पांगी घाटी में साक्षर भारत मिशन का कार्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण ढंग से किया जा रहा है। इसमें पांगी घाटी की 16 पंचायतों की स्त्रियों की शिक्षा की तरफ महत्वपूर्ण ध्यान दिया जा रहा है। स्थानीय लोगों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया जा रहा है जिसका विवरण इस प्रकार है।

साक्षर भारत मिशन 2012 जिला चम्बा संक्षिप्त विवरण खण्ड साक्षरता समिति किलाड़ पांगी जिला चम्बा हि0प्र0।

पंचायत का नाम	प्रधान/सचिव का नाम	प्रेरक का नाम	वी0 टी0 संख्या	असाक्षर महिलाए	असाक्षर पुरुष	योग	साक्षर महिलाएं	साक्षर पुरुष
सुराल	कल्याण सिंह, भीम सिंह	भगवान देई, अजीत कुमार	40	228	143	371		
धरवास	जमना कुमारी, बलदेव सिंह	बबू राम, रेखा कुमारी	36	172	90	262	107	190
लुज	हरि सिंह	भगवान सिंह, सुनिता कुमारी	22	162	56	218		
करयास	जुगनी, लाल चन्द	भीम सिंह, मान देई	44	387	261	648	315	410
किलाड़	सतीश कुमार, हरि सिंह	छेरिन्ग पालमो, राकेश कुमार	44	329	134	463	625	828
करेल	सेवो देवी	सन्तोश कुमारी, रविन्दर कुमार	20	169	78	247		
हुडान	देवी लाल, धनदेव	संगत राम, बलबीर सिंह	24	155	72	227		
करयूनी	बलबीर सिंह, धर्म देव	रीता कुमारी, किशन लाल	32	203	128	331		
साच	नरेन्द्र शर्मा, ध्यान सिंह	सुरेश कुमार, बिमला कुमारी	50	260	102	362		
कुमार	लछम देई, श्री राम	रमेश कुमार, बिजेन्द्रा	23	130	101	231		
साहली	शाम देई, बोध राज	राम सिंह, माघी देवी	26	133	107	240		
सैचू	राम नाथ, क्श्मीर लाल	भगत राम, कान्ता कुमारी	26	105	31	136		
शूण	मान सिंह, खेम राज	सुनमजीत, सुरजम	35	159	86	245	129	223
मिन्धल	ज्योति, तेलंन	सुमित्रा कुमारी, नरेन्द्र कुमार	28	151	63	214		
रेई	मीरा शर्मा, ध्यान सिंह	बिन्दु कुमारी, केवल राम	28	185	97	282		
पुर्थी	सुरेखा ठाकुर, पृर्थी चन्द	बसंन्त सिंह, लता कुमारी	50	368	173	541		
योग			528	3295	1723	5018		

अतः इन आंकड़ों के आधार पर हम कह सकतें हैं। कि पांगी घाटी की 16 ग्राम पंचायतों में 32 प्रेरकों की नियुक्ति की गई है। साक्षर भारत मिशन 2012 के अर्न्तगत जिनको कि प्रत्येक माह 2000 रुपये प्रति महिने बेतन दिया जाता है तथा ग्राम पंचायत प्रधान तथा सचिव को भी इसके निरिक्षण के लिए नियुक्त किया गया है। इन आंकड़ों से हमें पता चलता है कि पांगी घाटी की कुल 16 ग्राम पंचायतों की वी0 टी0 संख्या का कुल योग 528 है तथा असाक्षर महिलाओं का कुल योग 16

पंचायतों में 3295 है तथा पुरुषों की संख्या 1723 है। जबकि इनका कुल योग 5018 है। अतः इस तरह भारत साक्षर मिशन की महत्वपूर्णता यहां पर बढ़ जाती है। भारत साक्षर मिशन के सामने यहां मुख्य चुनौती भौगोलिक परिस्थितियों के सथ–साथ 3295 महिलाओं को साक्षर करना भी है जो कि किन्ही मुख्य कारणों से अपनी शिक्षा जारी नही रख सकीं क्योंकि साक्षर महिलाएं ही राष्ट्र का भविष्य है। यदि वे साक्षर होगीं तो वे अपने राज्य तथा देश का विकास करेंगी। इसके अर्न्तगत ही पांगी घाटी मे 22 अप्रैल 2012 को भारत साक्षर मिशन के अर्न्तगत परिक्षा ली गई। जिसका वर्णन इस पंकार है।

Basic Literacy Exam under Saakshar Bharat Mission 2012 in r/o Block Saaksharta Samiti Pangi Chamba

Name Of Panchayt	Total Illiterate	Apply for Exam	Appeared	%age
Sural	371	338	224	60.37
Dharwas	262	228	182	69.46
Luj	218	218	156	71.55
Karyas	648	622	343	52.93
Killar	463	439	342	73.86
Karel	247	195	185	74.89
Hudan	227	218	195	85.90
Kothi(Karyuni)	331	331	234	70.69
Kumar	231	222	140	60.60
Sach	362	362	273	75.41
Sahali	240	240	188	78.33
Sechu	136	126	110	80.88
Mindhal	214	214	168	78.50
Rei	282	277	164	58.15
Purthi	541	528	176	32.53
Total	5018	4803	3278	64.93

अतः इन आंकड़ों से पता चलता है कि 22 अप्रैल 2012 को जो परिक्षा भारत साक्षर मिशन के अर्न्तगत ली गई उसमे 3278 परिक्षार्थी उपस्थित हुए तथा इसमे सबसे ज्यादा हुडान पंचायत के लोगो ने भाग लिया, इसके पश्चात सेचू तथा शूण के परिक्षार्थीयों ने भाग लिया तथा सबसे कम पुर्थी पंचायत के लोग उपस्थित हुए। कुल असाक्षर व्यक्तियों की संख्या 5018 है तथा जिन्होंने परिक्षा के लिए आवेदन किया उनकी संख्या 4903 थी तथा कुल परिक्षा देने वाले 3278 लाग थे जिनका प्रतिशत 64.93 है। इस प्रतिशत को देखकर हम कह सकते हैं कि यह एक सराहनीय प्रतिशत है। परन्तु फिर भी भारत साक्षर मिशन का मुख्य उदेश्य सभी को साक्षर बनाना है। पांगी घाटी में भारत साक्षर मिशन के विकास में कई समस्याएं आ रही है जिनका वर्णन इस प्रकार है।

1 प्रेरक जिनको लोगों को साक्षर करने के लिए नियुक्त किया गया है वे इस कार्य को Part Time job समझ कर कर रहे है। प्रेरकों से जब पूछा गया कि उनकी क्या समस्या है तो Salary जो 2000 रुपये प्रतिमाह दिया जाता है उभर कर आई। प्रेरकों का कहना है कि 2000 रुपये प्रतिमाह बहुत कम है तथा कई लोगो को अपना गुजारा करने के लिए अन्य कार्य भी करने पड़ते है। क्योकि 2000 रुपये प्रतिमाह से परिवार का पालन–पोषण नहीं किया जा सकता है।

2 इसके अलावा प्रेरकों का कहना है कि असाक्षर लोग जिनमे अधिकतर महिलाएं है वे इस कार्यक्रम को गम्भीरता से नही लेती हैं तथा जब कक्षा का समय होता है तो कोई भी उपस्थित नहीं होता क्योंकि उन्हे घर के काम–काज से समय नही मिलता।

3 इसके अलावा प्रेरकों का कहना है कि पांगी घाटी की भौगालिक तथा जलवायुविक परिस्थितियां भी इस कार्यक्रम के लिए अधिक उपयुक्त नही है। पांगी घाटी नवम्बर से मार्च तक पूरी तरह से बर्फ से ढकी रहती है तथा यातायात व संचार के साधन अधिकतर बन्द रहते हैं।

4 जब असाक्षर लोगो से समस्या के बारे मे पूछा गया तो उन्होने बताया कि हम पढ़ना तो चाहते हैं पर हमें किताबें व अन्य सामाग्री समय पर नही मिलती। कई लोगों के पास किताबें न होना मुख्य समस्या है। इसके अलावा असाक्षर लोगों का यह भी कहना है कि यदि किताबें हैं तो उनको पढ़ाने वाला कोई नही है।

5 इसके अलावा हम देखतें हैं कि यह कार्यक्रम कहीं फाईलों तक ही सीमित न रह जाए इसके लिए प्रशासन को भी इसके सन्दर्भ में महत्वपूर्ण कार्य करने होगे।

6 इसके अतिरिक्त अन्य समस्याएं समय–समय पर पुर्नवेक्षण कार्य न होना भी है।

हम यह कह सकते हैं कि भारत साक्षर मिशन एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसके अर्न्तगत महिला साक्षरता पर बल दिया गया है तथा आने वाले समय में यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण सफलताएं अपने नाम करेगा लेकिन कोई भी कार्यक्रम तब तक सफल नही होता जबतक वह Grass Root पर न हो तथा लागों की उसमें भागीदारी न हो। साक्षरता एक ऐसी अमूल्य चीज है जो कि किसी भी क्षेत्र में विकास लाती है तथा लोगों के आर्थिक, समाजिक ढांचे का विकास करती है। यदि मां साक्षर होगी तभी वह साक्षर बच्चों का विकास करेगी। हम कह सकतें हैं कि हिमाचल प्रदेश का चम्बा जिला इस मिशन के अर्न्तगत आने के कारण इसका सर्वागीण विकास होगा तथा यह जिला हिमाचल प्रदेश राज्य जिसने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है उसमें योगदान देगा तथा अपनी अलग पहचान बनाएगा। अतः हम कह सकते है कि भारत साक्षर मिशन के अर्न्तगत चम्बा जिला के अर्न्तगत पांगी घाटी का भविष्य सुनहरा है।